साथ लेकर सम्मान और समानता से मानव की तरह जीना चाहती है 'वस्तू' बनकर नहीं ।

ज्वलंत उदा. –:

- डॉ. प्रियंका रेड्डी अपहरण हत्या (जानवरों की डॉक्टर) हैद्राबाद
- अंकिता पिसोटे, पेट्रोल डाल के हत्या (स्कुल छात्रा) हिंगणघाट, वर्धा

संदर्भ सूची

1. उपन्यासकार से. रा. यात्री संवेदना और शिल्प – डॉ. सुनील पानपाटील, चन्द्रलोक प्रकाशन, 2011, कानपुर, पृष्ठ क्र. 26.
2. महिला उपन्यासकार पारिवारिक जीवन के बदलते संदर्भ – डॉ. किरण पाटोळे, विद्या प्रका, 2010, पृष्ठ क्र. 187, कानपूर
3. मैं भी औरत हूँ – डॉ अनुसूया त्यागी, परमेश्वरी प्रकाशन, पृष्ठ क्र. 60, दिल्ली.
4. निमंत्रण – तस्लिमा नसरीन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010, पृष्ठ क्र. 28.
5. महिला उपन्यासकार पारिवारिक जीवन के बदलते संदर्भ – डॉ. कल्पना पाटोळे, विद्या प्रकाशन, 2010, कानपूर, पृष्ठ क्र. 120
6 . भूमी – आशा बगे, मौज प्रकाशन, 2012, मुंबई, पृष्ठ क्र. 231.
7. अवकाश – सानिया, मौज प्रकाशन, मुंबई, 2010, पृष्ठ क्र. 146.

81–वैश्वीकरण का प्रतिबिंब : 'दौड़'उपन्यास में परिवर्तित नारी जीवन मूल्य

✓–डॉ.कामायनी गजानन सुर्वे

सहयोगी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष , हिंदी विभाग, महात्मा फुले महाविद्यालय, पिंपरी,पुणे(महाराष्ट्र, भारत)

'दौड़'ममता कालिया जी का 2000 ईस्वी.में लिखा गया उपन्यास है ,जिसका प्रथम संस्करण 2005 ईस्वी में वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित हुआ है। वैश्वीकरण ने 21 वीं शताब्दी में युवा वर्ग के सामने कैरियर के नए द्वार खोल दिए हैं।आज पुरुष की तरह नारी भी कैरियरिस्ट हो गई है।परिणामस्वरूप नारी के माँ,बेटी,पत्नी,सहेली जैसे रिश्ते प्रभावित हुए हैं।विवाह और परिवार के बारे में कैरियरिस्ट नारी का दृष्टिकोण परिवर्तित हो रहा है ।बाज़ार शक्तिशाली हो गया है। उच्चशिक्षित युवा नारी के जीवनमूल्यों में हुआ परिवर्तन वैश्वीकरण के युगानुरूप है। समसामयिक नारी चेतना को युगीन परिप्रेक्ष्य में विशद करने में शोध–निबंध की प्रासंगिकता अनुस्यूत है।

वैश्वीकरण का पर्यायी शब्द है–भूमंडलीकरण(Globalization)। वैश्वीकरण व्यापार विषयक नियमों की वैश्विक एकता के लिए लाई गई प्रक्रिया है "वैश्वीकरण की अवधारणा हमारी संस्कृति के लिए कोई नई बात नहीं है,तत्संबंधी हमारी पारंपरिक अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्'के प्रकल्प में पूरे विश्व समुदाय को एक कुटुंब,एक कुल मानने का प्रबल आग्रह रहा है किंतु भूमंडलीकरण की शब्दावली का वैश्विक गाँव–ग्लोबल विलेज–हमारी इस विश्व मानवतावादी धारणा से बिल्कुल अलग है । 'वैश्विक गाँव'की मान्यता का आर्थिक पक्ष–बाजार तथा बाजारवाद–इसे हमारी पुरातन मान्यता से पूरी तरह अलग कर एक प्रछन्न और अघोषित आक्रमण का रूप दे डालता है । वैश्वीकरण का यह आर्थिक पक्ष इसे नवसाम्राज्यवाद का रूप प्रदान करता है।"(सिंह,16)

'मूल्य' शब्द अंग्रेजी भाषा के 'value'शब्द का पर्याय है ।लैटीन शब्द 'valere'से 'value'शब्द की व्युत्पत्ति हुई है। 'valere' का अर्थ है–उत्तम या सुंदर। मूल्य शब्द के